

---

# Navagraha Pidaharastotram

---

## नवग्रहपीडाहरस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Navagraha Pidahara Stotram

File name : navagrahapIDAharastotram.itx

Category : navagraha, stotra, nava

Location : doc\_z\_misc\_navagraha

Author : Traditional

Transliterated by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

Proofread by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

Latest update : August 24, 2006, September 18, 2022

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 25, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

नवग्रहपीडाहरस्तोत्रम्



ग्रहाणामादिरादित्यो लोकरक्षणकारकः ।  
विषमस्थानसंभूतां पीडां हरतु मे रविः ॥ १ ॥  
रोहिणीशः सुधामूर्तिः सुधागात्रः सुधाशनः ।  
विषमस्थानसंभूतां पीडां हरतु मे विधुः ॥ २ ॥  
भूमिपुत्रो महातेजा जगतां भयकृत् सदा ।  
वृष्टिकृद्वृष्टिहर्ता च पीडां हरतु मे कुजः ॥ ३ ॥  
उत्पातरूपो जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युतिः ।  
सूर्यप्रियकरो विद्वान् पीडां हरतु मे बुधः ॥ ४ ॥  
देवमन्त्री विशालाक्षः सदा लोकहिते रतः ।  
अनेकशिष्यसम्पूर्णः पीडां हरतु मे गुरुः ॥ ५ ॥  
दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्च महामतिः ।  
प्रभुस्ताराग्रहाणां च पीडां हरतु मे भृगुः ॥ ६ ॥  
सूर्यपुत्रो दीर्घदेहो विशालाक्षः शिवप्रियः ।  
मन्दचारः प्रसन्नात्मा पीडां हरतु मे शनिः ॥ ७ ॥  
महाशिरा महावक्रो दीर्घदंष्ट्रो महाबलः ।  
अतनुश्चोर्ध्वकेशश्च पीडां हरतु मे तमः ॥ ८ ॥  
अनेकरूपवर्णैश्च शतशोऽथ सहस्रशः ।  
उत्पातरूपो जगतां पीडां हरतु मे शिखी ॥ ९ ॥  
॥ इति नवग्रहपीडाहरस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥


As a cautionary note, the stotram is not readily available in the Brahmandapurana book.

It is possible that it belongs to khilAs (appendix)  
of the purana added later.


Some books in print reverse tamaH and shikhI,  
but tamase is for Rahu in its 108 nAmAvall  
and shikhine is for Ketu in its 108 nAmAvall.

Encoded and proofread by Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

---

——  
*Navagraha Pidaharastotram*

pdf was typeset on March 25, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

